1. कर्तृवाच्य से कर्मवाच्य में बदलिए –

राम पत्र लिखता है।

सीता कहानी पढ़ रही है।

बच्चे मैदान में खेलेंगे।

शिक्षक पाठ समझा रहे हैं।

मोहन ने खाना खाया।

🔷 2. कर्मवाच्य से कर्तृवाच्य में बदलिए –

पत्र राम द्वारा लिखा गया।

कहानी सीता द्वारा पढ़ी जा रही है।

मैदान में बच्चों द्वारा खेला जाएगा।

पाठ शिक्षक द्वारा समझाया गया।

खाना मोहन द्वारा खाया गया।

🔷 3. भाववाच्य पहचानिए (वाक्य का प्रकार लिखिए – कर्तृवाच्य / कर्मवाच्य / भाववाच्य)

यहाँ हिंदी बोली जाती है।

मुझसे चला नहीं जाता।

छात्र पाठ याद करते हैं।

दरवाज़ा बंद किया गया।

उससे पढ़ा नहीं जाता।

🔷 4. रिक्त स्थान भरिए –

पत्र _____ द्वारा लिखा गया।

मुझसे अब दौड़ा नहीं _____।

कविता बच्चों द्वारा _____ जा रही है।

खाना माँ ने _____।

उससे काम नहीं _____।

1 : कर्तृवाच्य से कर्मवाच्य में बदलिए (काल पर विशेष ध्यान दें)

वैज्ञानिक नई तकनीक विकसित कर रहे थे।

प्रधानाचार्य ने विद्यार्थियों को पुरस्कार दिया।

लोग पर्यावरण को नुकसान पहुँचा रहे हैं।

सरकार नई योजना लागू करेगी।

किसी ने मेरा बैग चुरा लिया।

माँ बच्चों को कहानी सुना रही थी।

पुलिस अपराधियों को पकड़ चुकी है।

हम इस समस्या का समाधान खोज लेंगे।

◆ 2 : कर्मवाच्य से कर्तृवाच्य में बदलिए

यह पुस्तक प्रेमचंद द्वारा लिखी गई थी।

मैदान में मैच खेला जा रहा है।

निर्णय समिति द्वारा लिया जाएगा।

रोगियों की देखभाल डॉक्टरों द्वारा की जा रही थी।

आदेश अधिकारी द्वारा दिया गया।

पत्र समय पर भेज दिया गया था।

◆ 3 : भाववाच्य में बदलिए

मैं इतना भारी बोझ नहीं उठा सकता।

वह सच नहीं बोल सकता।

हमसे अब प्रतीक्षा नहीं होती।

बच्चा ठीक से चला नहीं सकता।

मैं इतनी दूर नहीं दौड़ सकता।

◆ 4 : त्रुटि सुधार (वाच्य संबंधी गलती पहचानकर सही कीजिए)

मुझसे यह काम नहीं किया जाता हूँ।

पत्र मेरे द्वारा लिख रहा है।

उससे हँसा नहीं जाता है।

किताब राम द्वारा पढ़ता है।

निर्णय लिया जाएगा गया।

◆5 : मिश्रित प्रश्न (वाक्य का वाच्य पहचानिए और रूप बदलिए)

यहाँ प्रतिदिन प्रार्थना की जाती है।

शिक्षक छात्रों को समझा रहे हैं।

उससे इतनी ठंड सहन नहीं होती।

पुरस्कार विजेता को दिया गया।

बच्चे कविता गा रहे थे।